04/10/2022

कृषि विश्वविद्याल्य जोधपुर
मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवा
बाड़मेर

अगले पांच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

मौसम कारक	4 अक्टूबर	5 अक्टूबर	6 अक्टूबर	7 अक्टूबर	8 अक्टूबर
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°C)	36	36	37	37	37
न्यूनतम तापमान (°C)	25	25	26	26	26
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	2	2	2	2
अधिकतम सापेक्ष आद्रता (%)	58	49	44	48	50
न्यूनतम सापेक्ष आद्रता (%)	25	19	16	16	18
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	16	14	12	11	11
हवा की दिशा (डिग्री)	284	274	209	102	101

मौसम साराँश

मौसम आने वाले समय में शुष्क रहने की संभावना है।

तापमान में हल्की वृद्धि की संभावना है। आद्रता बढ़ने की संभावना है। धीमी गति की उत्तरी–पश्चिमी हवाएं चलने की संभावना है।

सामान्य सलाह

खरीफ फसलों की कटाई का कार्य पूरा करें। रबी फसलों की बुवाई के लिए बीज एवं आवश्यकतानुसार बीजोपचार की व्यवस्था करें।

लम्पी चर्म रोग के लक्षण दिखाई देने पर पंजीकृत पशु चिकित्सक से सम्पर्क करें बीमार पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखे तथा पशुशाला को सुखा रखे एवं मक्खी रहित रखने के लिए फिनाईल के घोल का छिड़काव करें।

फसल विशिष्ट सलाह

फसल	फसल विशिष्ट सलाह	
बाजरा मूंग मोठ तिल	**जहाँ फसल पक गयी है वहां कटाई का कार्य समय पर पूरा करें।**	
कपास	रसचूसक कीटों के अतिरिक्त फसल पर चित्तीदार सूंडी व गुलाबी सूंडी, आदि कीटों की रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस 25 ई.सी. 1.25 लीटर या क्लोरपायरीफॉस 20 ई.सी. या मोनोक्रोटोफॉस 36 एस. एल. एक लीटर/है. दर से छिडकें। सिंचाई देवें।	
मूंगफली	मूंगफली में टिक्का व अल्टरनेरिया रोग की रोकथाम हेतु पाइराक्लोस्ट्रोबिन 13. 3प्रतिशत + इपोक्सीकोनाजोल 5 प्रतिशत के बने हुए मिश्रण का 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।10 से 15 दिन के अंतर से पुनः छिड़काव आवश्यकतानुसार दोहरावें।	
अरंडी	अरंडी में 90 दिन की अवस्था पर 20 किलों नत्रजन सिंचाई के साथ दें।	
मूंगफली	सिंचाई देवें।	
राया	बारानी राया की बुवाई 15 अक्टूबर तक तथा सिंचित राया की बुवाई अक्टूबर माह के अन्त तक कर दें। देर से बुवाई करने पर उपज में कमी होती हैं साथ ही चेंपा व सफेद रोली का प्रकोप भी अधिक होता हैं। बुवाई के लिये शुष्क क्षेत्रों में 4 से 5 किलों व सिंचित क्षेत्रों में 3–4 किलों बीज प्रति हैक्टर काम में लें। बुवाई कतारों में 30 से.मी. की दूरी पर करें। **उपयुक्त किस्में :** बायो 902 (पूसा जय किसान), एन. आर. सी. एच. बी. 101, आर. जी. एन. 145, गिरीराज व आर एच 749 किस्में काम में लें। सी. एस. 52 किस्म राजस्थान के लवणीय तथा क्षारीय भूमि वाले क्षेत्रों के लिये सिफारिश की गई है।	
चना	असिंचित चने की बुवाई अक्टूबर के प्रथम सप्ताह तक करें। सिंचित क्षेत्रों में चने की बुवाई 20 अक्टूबर तक की जा सकती है। बारानी चने के साथ राया की मिश्रित खेती करने पर अधिक लाभ मिलता हैं तथा चने पर पाले का असर भी कम होता हैं। **उपयुक्त किस्में :** आर.एस.जी. 974 (अभिलाषा), जी. एन. जी. 1581 (गणगौर), जी. एन. जी. 1958 (मरुधर), जी. एन. जी. 2144 (तीज) व जी. एन. जी. 2171 (मीरा) हैं। 55–75 किलों बीज प्रति हेक्ट्र बोने से पूर्व बीज को राईजोबियम कल्चर से उपचारित करें। बुवाई कतारों में 30 से.मी. की दूरी पर 5–7 से.मी. गहरा बोयें। चनें में 600 ग्रम पेन्डीमिथालिन सक्रिय तत्व को 600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से बुवाई के 1 से 2 दिन बाद नम जमीन पर छिड़काव करें।	
जौ	**उपयुक्त किस्में:** आर.डी. 2052, आर.डी. 2552 व आर.डी. 2035 नामक हैं। बी.एल. 2, आर. डी. 2715 व आर. डी. 2794 लवणीय तथा क्षारीय भूमि वाले क्षेत्रों के लिये सिफारिश की गई किस्में है।	